

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्र

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर को निवारित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉर्निंग्स के उपचायक उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निलंबित किये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में वह फली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाम है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के पुरुषों के तीर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदें पर खार उत्तरने की उत्तरता चुनी भी है। जनना ने विकास और शारीर की 11:25 AM

नरवीर यादव
विधायक संपादक

मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। बाटी में दोनों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के महेनबर बाटी के लोगों ने नेशनल कॉर्निंग्स पर भरोसा जताया। तमाम उम्होंहें, सुरक्षा चुनींतियों तथा देशी दखल की तात्परा आकांक्षों को निर्माण करते हुए जम्मू-कश्मीर के जननासन ने साथ सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका का तक पहुंचाने में भारतीय जनना पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कर्मी विकास, पर्यटन में भारी बढ़ि, शारीर एवं सौहार्द का बातावरण बनाने ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्ठता है। नई सरकार को विकास की लहर योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए अतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को भौमिल तक पहुंचाना होगा।

जम्मू-एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शारीर आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भार्तीयों की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहुहाल, ऐसे में निवारित उमर अब्दुल्ला और केंद्र के द्वायत्व है कि बाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जाती है, उस पर पराकरने भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मानदान ढार कर मानदान करने हेतु नई निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाना निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनना ने नेशनल कॉर्निंग्स के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को दर्शाया। विवाहित लोकसंघ का अपनी भावना और कृति नहीं हैं, जिनमें इस मुद्रे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि जुनावी कहवाहक को गोड़ छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस भारतानन्दन व स्थानीय बहुमत से भाजपा की एक निकल यह भी है कि लोग बाटी में शारीर और निर्माण, अपन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्व्यवहार काहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस द्वेष में शारीर कार्यम होने के साथ विकास की नई बहाल चले। जिसमें आम नागरिक खुद की सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमबाज कर सके।

निश्चय ही हरम के पामने चुनींतियों का अंदाजा है, वहाँ खुद उमर ने भी व्यवहारिक नियरिया अपनाने का संकेत दिया है। जुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख उनाने वाले उमर ने जुनाव नहीं जाने आने के बाद इस मस्ते पर अना रुख नम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्रे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि जुनावी कहवाहक को गोड़ छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल उमर और इस भारतानन्दन व स्थानीय बहुमत से भाजपा की एक निकल यह भी है कि लोग बाटी में शारीर और निर्माण, अपन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्व्यवहार काहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस द्वेष में शारीर कार्यम होने के साथ विकास की नई बहाल चले। जिसमें आम नागरिक खुद की सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमबाज के पास व्यापक अधिकार है।

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदानान्दनों का खाला उत्तराह लोकतंत्र को चुनींवाद को मजबूरी दे रहा है। कहीं न कहीं जनना ने स्थानीय देशों भी दिया कि वे हिस्सा, असंवित, आतंकवाद व अलागवाद से लुटाकरा चाहते हैं। जाहिरा ही पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांशों को पूर्ण करने की चुनींती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांशों को पूर्ण करते हुए बदली हुई सासंग व्यवहार के साथ भी साधा स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब हमें जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सामाजिक धारी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रान्सित प्रदेश में वैसा टकराव देखते हों नहीं मिलेगा, जैसा विद्युली में आम आदीपी धारी की सरकार और एलजी के बीच देखते हों को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को व्यापक जनाकांशों नई उम्मीदों के बाहर करना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर असंवित का बाहक बनेगा। उम्मीद करें कि व्यापक धारी पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियों दूर की जा सकेंगी।

राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा असंवितरा के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता धारल है तथा विश्वास के घराना ले रहा है। अलागवाद से बाहर निकलने का नया विश्वास जगा है। पाकिस्तानी आतंकी सोच के नुकसान को प्रति ने जैल और महसूस किया है। गुलाम कश्मीरी के लोगों को दुर्दशा को देखा रहा है। इसीलिये इन जुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग अपनी रुक्षता देखते हों एवं आतंकमुक्तिका का एक नया अध्ययन रखते हैं। जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार बनायी है, जो शारीर और विकास के नये द्वारा दर्दान्ति करते हुए एवं आतंकमुक्तिका का एक नया अध्ययन रखते हैं। आतंकी आंखों एवं नीतियों पर टिकी है। निश्चय ही इस नई सरकार के उम्मीदों जीवा है कि उसके प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शारीर-समुद्दर-संवर्धन का नया दौर सुरु होगा। ऐसा होना ही नई सरकार एवं उमर के नेतृत्व की साथकता है।

यूएई, आबूधाबी के मोहम्मद रियान ने उड़ीसा के कमल साहु पर जमाया जीत का पंच

एसडी स्कूल कक्राला में सीबीएसई नैशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के दूसरे दिन सभी रिंग में रहा बॉक्सरों का मुकाबला

समाचार गेट/सूनील दीक्षित कर्नीना। कक्राला के एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जारी सीबीएसई नैशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता के दूसरे दिन सभी रिंग में बॉक्सरों का मुकाबला रहा। विद्यालय के वेदपरी राज पर भारी पड़ा। केरला का नैलोपोल्स व राजस्थान का प्रियवर्धन रहा विजयी। उड़ीसा गढ़ का विप्रप्रसाद का पंच भारी पड़ा। 40-42 किलोग्राम भार वर्ग में हिसार के पियुष शर्मा का पंच अद्यत बिन्हा पर भारी पड़ा।

मौहिंग कुमार भारती ने उनिष्ठ अग्रवाल को हराया। ओमाकिशोर प्रियंका सिंहे ने आर्य सिंह को हराया इसी रिंग नम्बर 2 में 45-48 किलोग्राम भार के 19 अयुवर्ग के बालिका वर्ग में मैन्डल जोन की तानिया ने फार्स इंस्ट जोन की अनिष्टा अली को हराया। हिसार की अविनाश जोन के बालिका वर्ग में मैन्डल जोन की तानिया ने फार्स इंस्ट जोन की अनिष्टा अली को हराया। इरियाना की गुड़ु कूच विद्यालय जोन के बालिका वर्ग में भारी पड़ा। नोर्थ जोन के कूच विद्यालय ने ताराखण्ड अंतिम सिंहे रिंग राजपत्र को हराया। विद्यालय के बालिका वर्ग में भारी पड़ा। नोर्थ जोन के विकेन्ट जोन की अद्यत निकली जो गोलीगांव के बालिका वर्ग में भारी पड़ा।



की फलतीवी का पंच साक्षर जोन की हरिमाला पर भारी पड़ा। इंस्ट जोन की हरिमाला पर भारी पड़ा। इंस्ट जोन की शिलापीपाल और कृष्णा ने 52 किलो भार वर्ग में विजय प्राप्त की। जगदेव सिंह विद्यालय से लिलीडिंगों से कहा कि विद्यालय प्राप्ति के लिए कर्नीना के विकिलक्स स्टाफ तथा सुधार के लिए कर्नीना के विशेष विद्यालय में विशेष महत्व है। बॉक्सिंग जोने के बालिका वर्ग में बॉक्सिंग जोन की अनिष्टा अली को हराया। इरियाना की गुड़ु कूच विद्यालय ने ताराखण्ड अंतिम सिंहे रिंग राजपत्र को हराया। विद्यालय के बालिका वर्ग में भारी पड़ा। नोर्थ जोन के विकेन्ट जोन की अद्यत निकली जो गोलीगांव के बालिका वर्ग में भारी पड़ा।

स्वास्थ्य तथा सुरक्षा व्यवस्था नैशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप को लेकर विद्यालय प्राप्ति में उपनामिक अस्पताल कर्नीना के विकिलक्स स्टाफ तथा तथा शास्त्रीय विद्यालय ने जगदेव जोन की अनिष्टा अली को हराया। इरियाना की गुड़ु कूच विद्यालय ने ताराखण्ड अंतिम सिंहे रिंग राजपत्र को हराया। विद्यालय के बालिका वर्ग में भारी पड़ा। नोर्थ जोन के विकेन्ट जोन की अद्यत निकली जो गोलीगांव के बालिका वर्ग में भारी पड़ा।

दिन में विकेन्ट जोन की अद्यत निकली जो गोलीगांव के बालिका वर्ग में भारी पड़ा।

दिन में विकेन्ट जोन की अद्यत निकली जो गोलीगांव के बालिका वर्ग में भारी पड़ा।

